R.N.I. No. RAJHIN/2020/79075

कागज़ की कश्ती

पाक्षिक समाचार पत्र

मो. 9829250181
ई-मेल : shiv.ksg@gmail.com

सम्पादक : शिवकुमार शर्मा

वर्ष - 6 | अंक - 21 | किशनगढ़, गुरुवार, 7 मई 2026 | कुल पृष्ठ - 4 | (पाक्षिक) | मूल्य रु. 360/- (वार्षिक)

बंगाल, आसाम, पुडूचेरी में भाजपा, तमिलनाडू में टीवीके, केरलम् में कांग्रेस विजयी

नई दिल्ली। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे सामने आ गए। पश्चिम बंगाल में दीदी राज खत्म हो गया है। भाजपा ने रिकॉर्ड स्ाीटें जीतकर इतिहास रच दिया है। वहीं दूसरा बड़ा उलटफेर तमिलनाडु में हुआ है जहां दो साल पहले ही राजनीति में पदार्पण करने वाली अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी 'टीवीके' नंबर वन हो गई है। तमिलनाडु के मौजूदा सीएम एमके स्टालिन भी कोलाथुर सीट से चुनाव हार गए हैं। असम में भाजपा का एक बार फिर से सत्ता बनाना तय हो गया है। वहीं पुडुचेरी में भी भाजपा गठबंधन ने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। कांग्रेस के लिए सिर्फ केरलम् से अच्छी खबर आई है। यहां कांग्रेस और यूडीएफ के गठबंधन ने जीत दर्ज की है।

अपनी सुपरहिट फिल्मों की तरह, जिनमें वह एक हीरो के तौर पर दुश्मनों का सफाया करते हैं, अभिनेता विजय ने तमिलनाडु के चुनावी मैदान में धमाकेदार शुरुआत की है। विजय ने अपने पहले ही चुनाव में द्रविड़ राजनीति के उस मजबूत किले को ढहा दिया है, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। उन्होंने अकेले अपने दम पर तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) को शानदार जीत दिलाई है। उन्होंने न केवल सत्ताधारी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को पछाड़ा, बल्कि अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) जैसी सशक्त पार्टी को तीसरे नंबर पर धकेल दिया। विजय की लोकप्रियता ने तमिलनाडु में पिछले 50 सालों से चले आ रहे दो द्रविड़ दलों के दबदबे को खत्म कर दिया है। इस चुनाव में द्रमुक अध्यक्ष एमके स्टालिन को भी कोलाथुर सीट पर हार झेलनी पड़ी है। उनके साथ ही दिग्गज मंत्री दुरईमुरुगन समेत कई बड़े मंत्रियों को अपने ही गढ़ में शिकस्त मिली है। स्टालिन को टीवीके उम्मीदवार वी.एस. बाबू ने 9,000 से ज्यादा मतों से हराया है। पहली बार चुनाव लड़ रही टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, हालांकि वह बहुमत के लिए जरूरी 118 सीटों के जादुई आंकड़े से थोड़ी पीछे रह गई है। साल 2024 में बनी इस पार्टी के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। विजय ने खुद चेन्नई की पेरम्बूर और त्रिची पूर्व, दोनों सीटों से भारी मतों से जीत हासिल की है।

चुनावी नतीजों में केरल को छोड़कर बाकी राज्यों में हार के बावजूद कांग्रेस नेतृत्व गदगद है। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि अब राष्ट्रीय राजनीति में उसकी प्रभावी भूमिका बढ़ेगी और विपक्ष के रूप में उसकी क्षेत्रीय दलों पर निर्भरता कम होगी। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार इन चुनाव परिणामों का असर अब बाकी राज्यों पर भी होगा। जिसमें पंजाब एवं उत्तराखंड प्रमुख हैं। जहां अगले ही साल के शुरूआत में विधानसभा चुनाव होने हैं।

असल में, पश्चिम बंगाल में टीएमसी

की ममता बनर्जी और तमिलनाडु में डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन जैसे मजबूत और प्रभावशाली क्षत्रप हैं। लेकिन सोमवार को आए इन राज्यों के नतीजों ने कांग्रेस का काम राष्ट्रीय स्तर पर आसान कर दिया है। अब केवल कांग्रेस ही ऐसा दल बचा है। जो भाजपा के मुकाबले देशव्यापी मौजूदगी रखता है। पार्टी के रणनीतिकार इस स्थिति को ही अपने लिए फायदाजनक मान रहे हैं। यदि ममता बनर्जी की जीत होती तो वह लगातार चौथी बार बंगाल की सत्ता में होतीं। इसी प्रकार एमके स्टालिन भीतीसरी बार तमिलनाडु की सत्ता में होते। जो विपक्षी गठबंधन में साथी के रूप में कांग्रेस पर भारी पड़ते।

मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना लागू, दुर्घटना मृत्यु पर मिलेगा पांच लाख तक का आर्थिक संबल

जयपुर। राज्य सरकार ने जरूरतमंद, असहाय और अल्प आय वर्ग के परिवारों को दुर्घटना की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना (एमएडीबीवाई) लागू की है। यह योजना एक अप्रैल 2026 से प्रभावी रहेगी। इसमें दुर्घटना मृत्यु पर पांच लाख तक का आर्थिक संबल मिलेगा। वित्त विभाग ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं। यह योजना पूर्व में जारी आदेशों के स्थान पर तत्काल प्रभाव से लागू होगी। योजना के तहत मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना और राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना में पंजीकृत परिवारों के साथ विद्युत कंपनियों के ऐसे कर्मचारी परिवार भी शामिल होंगे, जो इन योजनाओं में कवर नहीं हैं। जन आधार कार्ड में दर्ज सभी सदस्य योजना के लाभार्थी माने जाएंगे। साथ ही दो वर्ष तक के ऐसे शिशु भी पात्र होंगे, जिनका नाम जन आधार में दर्ज नहीं है। दुर्घटना के कारण मृत्यु या पूर्ण स्थायी अपंगता की स्थिति में एक सदस्य की मृत्यु पर अधिकतम 5 लाख रुपए तथा एक से अधिक सदस्यों की मृत्यु होने पर 10 लाख रुपए तक की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। योजना का क्रियान्वयन राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग के माध्यम से किया जाएगा। योजना की अवधि वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक रहेगी। योजना का क्रियान्वयन वेब पोर्टल के जरिए किया जाएगा। स्मार्ट प्लेटफॉर्म के अन्तर्गत योजना से संबंद्ध सेवाएं प्राथमिकता से शामिल की जाएगी। इसमें अपील सुनवाई व्यवस्था का भी प्रावधान किया गया है।

2201 करोड़ के निवेश की अनुशंसा, रोजगार होंगे सृजित

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सचिवालय में स्टेट एम्पावर्ड कमेटी की बैठक में राज्य की निवेश प्रोत्साहन नीतियों के तहत कस्टमाइज्ड पैकेज के लिए करीब 2,201 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों की अनुशंसा की गई। ऑटोमोबाइल और टेक्सटाइल क्षेत्रों से जुड़े इन निवेश प्रस्तावों के धरातल पर उतरने पर 1600 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। सीएस ने कहा कि राज्य में निवेश प्रक्रिया को आसान बनाने के साथ ही नई नीतियां लागू की गई हैं।

राज्य सरकार के इन प्रयासों और अपार उद्योग संभावनाओं के कारण देश-विदेश के निवेशक प्रदेश में निवेश कर रहे हैं। इससे निजी क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर बन रहे हैं। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की नीतियों और वन स्टॉप सिंगल विंडो सिस्टम की प्रगति की भी समीक्षा की गई। इस दौरान उद्योग एवं वाणिज्य विभाग और अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मिशन फॉर कॉटन प्रोडक्टिविटी' को सरकार की मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कपास क्षेत्र में उत्पादन, गुणवत्ता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के उद्देश्य से मिशन फॉर कॉटन प्रोडक्टिविटी को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने मंगलवार को बताया कि पीएम मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इसे मंजूरी दी है। इस मिशन के लिए वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक कुल 5,659.22 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। यह पहल भारत सरकार के '5एफ विजन', फार्म से फाइबर, फाइबर से फैक्ट्री, फैक्ट्री से फैशन और फैशन से विदेशी बाजार के अनुरूप तैयार की गई है।

इसके साथ ही सरकार ने गन्ना किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए 2026-27 के लिए 10.25 प्रतिशत रिकवरी दर पर 365 रुपए प्रति क्विंटल का उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) मंजूर किया है। इस निर्णय से देश के लगभग पांच करोड़ गन्ना किसानों और उनके आश्रितों के साथ-साथ चीनी मिलों एवं सहायक गतिविधियों में लगे करीब पांच लाख श्रमिकों को लाभ होगा।

सरकार ने पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित उद्योगों की मदद के लिए आपात क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) 5.0 शुरू करने का फैसला किया है। पश्चिम एशिया संकट के कारण सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और विमान सेवा कंपनियों पर पड़े दबाव से उन्हें राहत दिलाने के लिए यह योजना लाई गई है। इस योजना में बैंकों द्वारा एमएसएमई को दिये जाने वाले ऋण के लिए 100 प्रतिशत और गैर-एमएसएमई तथा विमान सेवा कंपनियों को दिये जाने वाले ऋण के लिए 90 प्रतिशत तक क्रेडिट गारंटी प्रदान की जाएगी। क्रेडिट गारंटी राष्ट्रीय क्रेडिट गारंटी न्यास कंपनी लिमिटेड (एनसीजीटीसी) के जरिए दी जाएगी। इसके साथ ही मंत्रिमंडल ने सेमीकंडक्टर मिशन के तहत देश में परियोजनाओं को मंजूरी दी है जिनमें एक मिनी और माइक्रो डिस्प्ले विनिर्माण इकाई और एक सेमीकंडक्टर पैकेजिंग कारखाना होगा।

समाचार पत्र की खबरों का स्रोत

समाचार पत्र के संवाददाता, PRO Ajmer, DIPR Jaipur, PIB Jaipur, दूरदर्शन भारत के माध्यम से तथा अन्य स्रोतों से समाचार पत्र की खबरों का प्रकाशन किया जाता है।

सम्पादक

बंगाल में शुभेंदु के पीए की गोली मारकर हत्या

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रकांत रथ पर मध्यग्राम में ताबड़तोड़ फायरिंग की गई। चंद्रनाथ को निशाना बनाते हुए चार राउंड फायरिंग की गई। इसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें गंभीर घायल अवस्था में नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शुभेंदु ने उनकी मौत की पुष्टि की है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की इलाके में नाकेबंदी कर दी गई है और हमलावरों की तलाश जारी है।

शब्दों का उत्सव: 'कागज की कश्ती' का ऐतिहासिक आगाज

प्रिंट मीडिया के इतिहास में स्वर्णाक्षरों से अंकित हुआ एक अध्याय

आर.के. कम्युनिटी सेंटर पर कागज़ की कश्ती का भव्य विमोचन

किशनगढ़। आर.के. कम्यूनिटी सेंटर के प्रांगण में 11 अप्रैल 2026 की वह शाम महज एक तारीख नहीं, बल्कि प्रिंट मीडिया के इतिहास में स्वर्णाक्षरों से अंकित होने वाला एक अध्याय बन गई। अवसर था साहित्यिक पत्रिका 'कागज की कश्ती' के भव्य विमोचन का। शहर के प्रबुद्ध और मूर्धन्य गणमान्यजनों की उपस्थिति ने इस आयोजन को एक ऐसी गरिमा प्रदान की, जहां बौद्धिकता और आत्मीयता का अनूठा संगम देखने को मिला। पूरा वातावरण उत्साह से दीप्तिमान था और जैसे ही पत्रिका का अनावरण हुआ, सभागार की दीवारें देर तक तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजती रहीं, मानो उपस्थित जनसमूह अपनी शुभकामनाओं से इस नई यात्रा का अभिषेक कर रहा हो।

मंच की शोभा आध्यात्मिक और राजनैतिक जगत के उन नक्षत्रों से हो रही थी, जिनके सान्निध्य ने इस क्षण को और भी पावन बना दिया। काचरिया पीठाधीश्वर पूज्यपाद देवाचार्य डॉ. जयकृष्णा शर्मा के दिव्य सान्निध्य में आयोजित इस समारोह में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी और विधायक विकास चौधरी, आरटीडीसी के पूर्व चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ ने अपनी प्रभावी उपस्थिति से आयोजन को गौरवन्वित किया। उनके साथ ही समारोह को अध्यक्षता कर रहे एवं अतिथि संपादक आर.के. गर्ल्स कॉलेज के निदेशक सीए सुभाष अग्रवाल ने पूरे मंच की गरिमा को ऊचांई प्रदान की। इन सभी के साथ प्रख्यात विदुषी डॉ. किरणमाला जैन एवं वरिष्ठ समाजसेवी प्रेमचंद शर्मा ने सामूहिक रूप से पत्रिका का विमोचन कर इसे जनमानस को समर्पित किया। इन विभूतियों के कर-कमलों से हुआ यह शुभारंभ न केवल 'कागज की कश्ती' के उज्ज्वल भविष्य का उद्घोष था, बल्कि साहित्य और पत्रकारिता के प्रति समाज के अटूट विश्वास का जीवंत प्रमाण भी बना। मौजूद मंच व गणमान्यजनों ने द्विमासिक समाचार पत्रिका (मेगजीन) को अपना पूरा समर्थन देकर जता दिया कि नवाचार का स्वागत किस तरह किया जाता है।

उद्बोधन जो स्वर्णाक्षरों से कम नही...

संत बनने में साहित्य ही सहयोग देता है-

पीठाधीश्वर पूज्यपाद डॉ. जयकृष्ण जी शर्मा

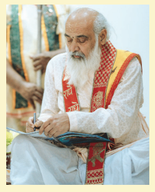

आज हम सभी यहां एकत्रित हुए हैं कागज की कश्ती के इस पत्रिका के विमोचन के शुभ अवसर पर। आज शनिवार है और तिथि नवमी है, नवमी शनिवार स्वाभाविक सिद्धि दायक योग माना जाता है और सिद्धि दायक योग में यह कार्य जो हो रहा है प्रभु की कृपा से अवश्य जो है अपने उत्कर्ष को प्राप्त करेगा। कृष्णगढ़ के सभी प्रबुद्ध वर्ग एवं मातृशक्ति आज विमोचन का एक बहुत सुंदर अवसर है, क्योंकि किसी भी पत्रिका का प्रकाशन समाज को संदेश देता है, सांस्कृतिक, सामाजिक, आध्यात्मिक, राजनीतिक सभी प्रकारों का आधार एक पत्रिका के द्वारा आप तक पहुंचता है। आपकी भावनाओं के साथ संपर्क करता है और जब भावनाओं के साथ संपर्क होता है तो व्यक्ति के अंदर परिवर्तन आता है और इसमें संपादक शिवजी को दोहरी जवाबदारी है। लेखन के साथ-साथ संपादन की भी जवाबदारी है, संपादन करना साधारण बात नहीं है किसी भी चीज का जब संपादन करते हैं तो बहुत कुछ ध्यान में रखना पड़ता है। क्योंकि एक बार जो छप गया उसको आप बदल नहीं सकते छपा हुआ आपके हाथ में आता है तो आपकी विश्वसनियता का परिचय सभी को हो जाता। मेगजीन के संपादक शिवकुमार जी ने बरसों से पत्रकारिता के क्षेत्र में ऐसी तपस्या की है जिसका फल आज हम सबके सामने है। ये हमेशा साहित्य से जुड़े रहे है। साहित्य के बिना तो मनुष्य पशु माना गया है, साहित्य संगीत कला भी है तो साहित्य जीवन के अंदर आपको मानव बनाने में सबसे बड़ा सहयोग देता है। संत बनने में साहित्य ही सहयोग देता है आपके जीवन के अंदर कोई भी अगर कुछ कार्य करना है तो साहित्य ही आधार है। आप तुलसीदास जी, सूरदास जी, मीराबाई इत्यादि का साहित्य जो आता है और जो उनका अनुसरण करते हैं उनकी जिंदगी को बदल देता है। साहित्य के द्वारा ही बड़े-बड़े युद्ध के अंदर वो शक्ति है जिसने कायर हुए योद्धाओं को वापस युद्ध भूमि में लौटने का कार्य किया। अगर साहित्य पूरी तरह से योग्य नहीं है संस्कार विहीन है तो वह जगत को डुबो भी देता है। इसलिए संस्कारी साहित्य की ओर मनुष्य को चलना चाहिए। आज शिवजी के द्वारा यह कागज की कश्ती का यहां पर इनोग्रेशन हो रहा है वास्तव में देखे तो कश्ती भवसागर से तैरने का साधन है। अभी शिवजी ने अपने बचपन के संस्मरण सुनाते हुए कहा कि कश्ती गीली हो गई है, और कश्ती पानी में चली गई। परंतु ऐसा सदैव नहीं होता, उसको जब आवरण मिल जाता है तो प्रभु कृपा का, तो वह कागज की कश्ती भी नहीं डूबती और वह कागज की कश्ती आपको तैरते हुए अपने उत्कर्ष की ओर ले जाती है। जिस तरह कश्ती को आवरण युक्त किया गया है तो यह कागज की कश्ती अपने गंतव्य की ओर अवश्य ही पहुंचेगी। आवरण कश्ती को इस साहित्य सागर के अंदर लहरों से बचाते हुए अपने गंतव्य पर पहुंचने से प्रभु की कृपा इस पर बरसती रहेगी। यह सदैव अपने उत्कर्ष को प्राप्त करें, ऐसी गोपाल प्रभु के चरणों में निवेदन करता हुआ अपनी वाणी को विराम देता हूं।

नया आयाम, नया प्रयास है, यह कश्ती होर्मुज में भी नही रुकेगी..

-सुभाष अग्रवाल, वित्त निदेशक, आरके मार्बल (अतिथि संपादक)

जगतगुरु महाराज साहब को चरण वंदन करते हुए अपनी बात आरंभ करता हूं। आज का यह कार्यक्रम काफी दिनों से शिवकुमार जी के मन में था बहुत टाइम से मेरे से चर्चा करते रहते थे और बचपन में जो इन्होंने कश्तियां पानी के अंदर छोड़ी थी उन सब कश्तियों को मूर्त रूप लेने के लिए हमेशा चर्चा करते रहते थे, तो आज यह मूर्त रूप ले रही है। मेगजीन को काफी सुंदर क्लेवर और बढ़िया स्वरूप में निखार करके अपने सबके सामने प्रस्तुत की है। इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत बधाई देता हूं और शुभकामनाएं देता हूं। जैसा महाराज साहब ने कहा कि यह आज शुभ घड़ी में इतना अच्छा इनॉग्रेशन हो रहा है तो एक दिन अवश्य यह किशनगढ़ नहीं पूरे राजस्थान की प्रखर और जन संवाद की पत्रिका बनेगी। शिवकुमार जी से मेरा परिचय जब हम आरके मार्बल के आई कैंप आॅर्गनाइज्ड करते थे, तभी सबसे पहले परिचय मेरा शिवकुमार जी से आरंइ में हुआ था। इतनी आत्मीयता से मिले तो मु-ो ऐसा कि जैसे कई बार पहले मिले जबकि वह प्रथम मिलन था और वह मिलन और आज करीब करीब 15 से 20 साल हो गए। कभी एहसास नहीं हुआ कि शिवकुमार जी दूसरे हैं, एकदम छोटे भाई की तरह हमेशा इनसे मिलना हुआ। दैनिक नवज्योति में जो लेख, न्यूज बनाते है उसमें जो धार रहती है, उसका कोई सानी नही है। चार लाइन लिखकर बस फोटो भेज दीजिए, उसको अपनी लेखनी से पठनीय और सारगर्भित बनाते है कि सुबह सबसे पहले इनकी खबर को पढ़ने का इंतजार रहता है। इन्होंने साहित्यिक के अलावा जनहित के मुद्दे भी उन्होंने काफी उठाए हैं। शिवकुमार जी अपने बेबाक लेखन और मुद्दे को प्रखरता से उठाकर सामाजिक दायित्व को बेहतर निभा रहे है। मैं आप सबका ज्यादा टाइम नहीं लेते हुए मैं यही कहूंगा कि शिवकुमार जी का यह जो नया आयाम है, जो नया प्रयास है यह बहुत खूब बड़े खूब अच्छे से इसका विस्तार हो और हम सब का सहयोग इसमें चाहिए का डेफिनेटली हम सब उनके साथ हैं। अंत में मैं आज की भाषा में यही कहूंगा कि कागज की कश्ती इतनी आगे बढ़े कि इसको होर्मुज स्टेट में नहीं रोक पाए। जय हिन्द, जय भारत।

आज के समय में संपर्क ही सबसे बड़ी संपत्ति...

भागीरथ चौधरी, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री, भारत सरकार

हमारा सौभाग्य है कि आज हम किशनगढ़ की धरा पर एक साहित्यिक मेगजीन के विमोचन में उपस्थित हुए है। मैने अभी देखा कि कागज की कश्ती एक संपूर्ण समाचार यह पत्रिका है जो आगे जाकर संपर्क, संवाद का बेहतर जरिया बनेगी। इनका स्लोगन एक जरिया तो बदले नजरिया इसी बात का द्योत्तक है। आज के समय में संपर्क ही सबसे बड़ी संपत्ति है, कोई व्यक्ति कहीं जाता है और उसके पास कुछ नहीं है, पर तो कोई संपर्क का व्यक्ति मिल जाता तो, उसके लिए एक बहुत बड़ा एक सहारा मिल जाता है। इसलिए संपर्क समाज को एक रखने ओर आपस में विचार सा-ा करने का सबसे बढिया तरीका है। यही कार्य ये समाचार पत्रिका करेगी और आगे बढ़कर जनहित व सामाजिक मुद्दों को सामने लाकर आमजन का सहयोग करेगी। शिवजी लंबे समय से पत्रकारिता कर रहे है, इनकी लेखनी सबसे अलग और प्रखर है। इनके पिता प्रेमजी व्यास साहब का धन्यवाद जो इन्होंने पत्रकारिता के क्षेत्र में आगे आकर काम करने के योग्य शिक्षा दिलाई। ये मंच कागज की कश्ती को मेरा खुद का मंच है। महाराज श्री जी के हाथों से इसका विमोचन हुआ है जो सौभाग्य की बात है। मैं स्वयं आप सभी को इस कार्यक्रम में पधारने के लिए आप सबका बहुत-बहुत आभार बहुत-बहुत धन्यवाद प्रेषित करता हूं।

एआई के युग में मैगजीन चलाना, बहुत बड़ी साधना है..

धर्मेन्द्र राठौड़, पूर्व चेयरमेन, आरटीडीसी

मैं मेरी तरफ से और आप सब की तरफ से शर्मा जी को बधाई देता हूं और शुभकामनाएं देता हूं कि इन्होंने आज एक नई शुरूआत की है। एक नई मैगजीन का इन्होंने शुभारंभ किया है। हालांकि अभी जो दौर दुनिया में है वह बिल्कुल कंप्यूटर, डिजिटल और उससे भी आगे बढ़कर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का दौर आ चुका है। ऐसा लगने लगा है कि इस दौर में अखबार हैं, मैगजीन हैं यह अपनी उपयोगिता कैसे रख पाएंगे! यह पूरी दुनिया में इसका चिंतन और मंथन हो रहा है, लेकिन यह बात सही है कि जितनी विश्वसनीयता जितने क्रेडिबिलिटी अखबार की है, मैगजीन की है, उतनी डिजिटल की विश्वसनीयता नहीं है। यह बात है कि इस समय इतना तेजी से बदला है की एक जमाना था जब क्रिकेट का मैच में पांच दिन का टेस्ट मैच खेला जाता था, फिर वनडे आया और उसके बाद में जमाना 20-20 का आ गया और अब तो बातें 10 ओवर का मैच भी होने लगी है। मोबाइल के भी जितने फीचर्स हैं उनमें फेसबुक, इंस्टाग्राम ने नई अपडेट का रास्ता बना दिया है। इस बदलते दौड़ में शर्मा साहब आपने यह हिम्मत की है, आप बहुत बधाई के पात्र हो, कि ऐसा तेजी से जब जमाना बदल रहा है तब आपने यह मैगजीन निकालने की हिम्मत करी.. क्योंकि इस जमाने में चैनल खोलना, मैगजीन अखबार चलाना, यह बहुत बड़ी साधना है। एक जमाना था हम जब छोटे थे माया, धर्मयुग, सरिता, मुक्ता जैसी मैगजीन होती थी, उनकी क्रेडिबिलिटी थी, उनकी भारी विश्वसनीयता थी। लेकिन अब जाने वह कहां खो गई। कहने का तात्पर्य है कि नई पीढ़ी के सामने 20-20 के बीच में आप टेस्ट मैच खेलने की हिम्मत कर रहे हैं। जो वाकई बहादुरी को काम है, मैं शर्मा जी आपको खासतौर पर व्यक्तिगत रूप से कहूंगा इस सकारात्क पत्रकारिता के जरिए आरंभ की गई इस मैगजीन को चलाने में हमारा कोई सहयोग हो तो निसंदेह हमें बताएं विकास जी को बताएं हम आपके इस प्रयास के हमेशा साथ रहेंगे। अंत में हम शुभकामनाएं देते हैं कि आपकी मैगजीन केवल किशनगढ़ अजमेर ही नही बल्कि प्रदेश में भी अपना प्रकाश फैलाएं। बहुत-बहुत धन्यवाद इन्हीं शुभकामनाओं के साथ पुनः धन्यवाद।

वही आदमी सफल है जो विश्वसनीयता के साथ काम करता है..

विकास चौधरी, विधायक, राजस्थान सरकार

आज कागज़ की कश्ती का विमोचन समारोह ही नही बल्कि प्रिंटिंग मीडिया के नए युग की किशनगढ़ में शुरूआत है। विपरीत धाराओं में कागज की कश्ती लेकर आपने वर्तमान समय में जो हिम्मत की है, ऐसी हिम्मत के धनी शिवकुमार शर्मा जी को मैं बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं। माननीय शिवजी की लेखनी ने लंबे समय तक क्राइम लिखें, जनहित के मुद्दों पर लिखा, योजनाओं पर लिखा जो हमेशा उल्लेखनीय रहा है। ऐसे पत्रकारों से ही लोकतंत्र का चौथा स्तंभ आज भी मजबूत है। आज भी कुछ लोग सवाल पूछने की हिम्मत रखते हैं, सरकारों से प्रशासन से, तो उन पत्रकारों में सबसे ऊपर किसी का नाम गिना जाता है तो उसमें शिवजी का नाम अव्वल पर आएगा। साथियों सामाजिक क्षेत्र में राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े हुए लोग उससे ज्यादा बेहतर काम कोई कर सकता है तो पत्रकार कर सकता है। मैं विश्वविद्यालय का अध्यक्ष था उसके बाद लंबे समय तक मैं राजनीतिक क्षेत्र में संघर्ष किया है, पार्टी एक से टिकट लड़ा दूसरे से लड़ा। लोगों की कोई भी धारणा रही हो लेकिन मेरा मानना है कि जीवन में वही आदमी सफल होता है जो विश्वसनीयता के साथ काम करता है। और शिवजी ने जो विश्वसनीयता से काम किया है। इस कागज की कश्ती मैगजीन में जिस तरह से वंडर सीमेंट से लेकर उच्च स्तरीय मानकों पर समाचार लिखे देखे है तो मैं मानता हूं कि जो बड़ी समाचार पत्रिकाओं की तरह वह कागज की कश्ती किशनगढ़ व पूरे जिले के लिए काम करेगी। इस क्षेत्र में जो भी तन मन और धन का सहयोग चाहिए उसके लिए मैं शिवजी को आश्वस्त करता हूं। हम आपकी लेखनी से बरसों बरसों तक प्रभावित हुए हैं, आगे भी होते रहेंगे। जैसा वंडर सीमेंट ने परफेक्ट शुरूआत की वैसे परफेक्ट शुरूआत आप भी करें। आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए अपने वाणी को विराम देता हूं। जय हिंद जय भारत

आज का दिन एक साधना की सिद्धि का दिन...

जसवंत सिंह दारा, प्रख्यात कार्टूनिस्ट एवं जर्नलिस्ट

"अतिथि देवो भवः" किशनगढ़ की इस ऐतिहासिक और कला-प्रेमी धरा पर उपस्थित आप सभी गणमान्य अतिथियों,

प्रबुद्ध नागरिकों और पत्रकारिता के प्रेमियों का मैं, के-3 मीडिया ग्रुप के समस्त सदस्यों की ओर से हार्दिक अभिनंदन और स्वागत करता हूँ। आज का यह दिन हमारे समूह के लिए केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक साधना की सिद्धि है। हम सौभाग्यशाली हैं कि आज हमारी इस नई शुरूआत के साक्षी बनने के लिए आप सभी ने अपना अमूल्य समय निकाला है। साथियों, के-3 मीडिया ग्रुप की नींव एक ऐसे विचार पर रखी गई है जहाँ सूचना केवल खबर न हो, बल्कि वह एक संस्कार और सकारात्मकता का माध्यम बने। जैसा कि हमारे प्रधान संपादक जी हमेशा कहते हैं – "हमें शोर का हिस्सा नहीं, बल्कि भरोसे की आवाज बनना है।" इसी विजन की पहली कड़ी के रूप में आज हमारी मासिक पत्रिका "कागज की कश्ती" का विमोचन हो रहा है। यह पत्रिका हमारे ग्रुप का पहला कदम है। जिसमें हमने गुणवत्ता और सामग्री के साथ कोई समझौता नहीं किया है। मंच पर उपस्थित हमारे सभी अतिथियों जिन्होंने अपनी उपस्थिति से इस समारोह की गरिमा बढ़ाई है, और आप सभी श्रोता, जो इस 'वैचारिक यज्ञ' की असली ताकत हैं, मैं आप सबका पुनः स्वागत करता हूँ। आइए, मिलकर 'कागज की कश्ती' के इस सफर को यादगार बनाएं। एक बार फिर, आप सभी का तहे दिल से स्वागत और अभिनंदन! जय हिन्द!

उद्बोधन

'कागज़ की कश्ती' एक सकारात्मक विचारधारा का जीवंत अनुष्ठान

शिवकुमार शर्मा, प्रधान संपादक

आदरणीय मंचासीन अतिथि गण, सामने मौजूद मेरे मार्गदर्शक अग्रज, ऊर्जा से भरे मेरे युवा साथियों और यहाँ उपस्थित प्रबुद्ध जनों,

रतू जिंदा है तो जिंदगी की जीत पर यकीन कर,
अगर कहीं है स्वर्ग तो उतार ला जमीन पर...₹

आज से ठीक २४ वर्ष पूर्व, एक संस्थान के गलियारों में ठहलते हुए ये पंक्तियाँ मेरी जुबां पर महज एक गुनगुनाहट बनकर आई थीं। तब मुझे रत्तीभर भी आभास नहीं था कि वक्त की धुन पर थिरकती यही गुनगुनाहट एक दिन मेरे जीवन का लक्ष्य और मेरे अस्तित्व का पर्याय बन जाएगी। आज जब मैं आप सबके सम्मुख खड़ा हूँ, तो मेरा एक स्वप्न साकार रूप लेकर आपके सामने है, जिसका नाम है रकागज की कश्तीर। परंतु ठहरिये... 'कागज की कश्ती' केवल एक शीर्षक या नाम नहीं है; यह एक सकारात्मक विचारधारा का जीवंत अनुष्ठान है। यह उस चेतना का नाम है, जिसका जन्म हमारे बचपन की पहली करवट के साथ ही हो जाता है। हम सबने उस स्वर्णयुग को जिया है, जहाँ हमारे कागज के विमान आसमान नापते थे और हमारी छोटी सी नावें तूफानी नालियों पर राज करती थीं। हमारा संकल्प इस शोर के बीच एक सुरीली आवाज़ है। प्रथम मासिक पत्रिका 'कागज की कश्ती' आज पाठकों के हृदय के महासागर में उतरने के लिए तैयार है। यह प्रिंट मीडिया की गिरती साख के बीच उसकी 'गरिमा' को पुनर्स्थापित करने की एक कोशिश है। पत्रकारिता के धधकते मरुस्थल में चलते हुए मुझे २७ वर्ष बीत चुके हैं। इन वर्षों का निचोड़ बस यही है: हमें अपराध की सुर्खियों के शोर में नहीं खोना है। हमें एक ऐसी आदर्श पारिवारिक पत्रिका बनना है, जिसे घर का बुज़ुर्ग भी उतने ही चाव से पढ़े जितना एक अबोध बालक।

अभी तो बस अगड़ाई है...

मेरे प्रिय साथियों, के-३ मीडिया ग्रुप' के लिए यह तो अभी बस एक अंगड़ाई है, एक नई भोर की पहली किरण है। आज आप हमारे इस सफर को 'प्रिंट मीडिया' और 'मैगज़ीन' के पन्नों पर देख रहे हैं, लेकिन हमारी उड़ान यहीं तक सीमित नहीं है। हम जानते हैं कि आज का दौर सूचनाओं की गति और तकनीक का है, जहाँ 'सोशल मीडिया' और 'डिजिटल वर्ल्ड' का बोलबाला है। वक्त की इसी नब्ज को पहचानते हुए, मैं आपको यह विश्वास दिलाता हूँ कि बहुत जल्द हम मोबाइल एप्लिकेशन और सोशल मीडिया के विभिन्न आधुनिक स्वरूपों के जरिए आपसे हर पल रूबरू होंगे। मैं इस वैचारिक यात्रा में स्वयं को मात्र एक 'नाविक' मानता हूँ, किंतु इस कश्ती की 'पतवार' आप सबके हाथों में है। आपकी दुआएं और आपका सहयोग ही तय करेगा कि यह कश्ती वक्त की लहरों को चीरते हुए कितनी दूर तक जाएगी। अंत में बस इतना ही कहूँगा: 'सफर लंबा है, लहरें तेज हैं, पर यकीन है मुझे... क्योंकि मेरे अपनों का साथ मेरे साथ है।' बहुत-बहुत धन्यवाद।

तूलिका के रंग–मेहंदी के संग, उमड़ा सृजन का महाकुंभ

आनंदी श्री संस्था के मंच पर बच्चों ने उकेरी कल्पनाओं की अनूठी दुनिया

शिवकुमार शर्मा

मदनगंज–किशनगढ़। कला जब हृदय के भावों से मिलती है, तो सृजन की एक ऐसी सुगंध फैलती है जो मन–मस्तिष्क को सराबोर कर देती है। कुछ ऐसा ही दृश्य आर.के. कम्युनिटी सेंटर में देखने को मिला, जहां आनंदी श्री संस्था द्वारा आयोजित चित्रकला एवं मेहंदी प्रतियोगिता ने सफलता के नए प्रतिमान स्थापित किए। किशनगढ़ के इतिहास में कला के प्रति ऐसा जुनून विरले ही देखने को मिलता है, जहां आरके कम्युनिटी सेंटर पर सूरज के उग्र रूप और तपती धरती को अपने हौंसलों से रौंदते हुए 480 नन्हे कलाकार एक ही छत के नीचे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने उमड़ पड़े। जैसे ही प्रतियोगिता का शंखनाद हुआ, पूरा कम्युनिटी सेंटर बच्चों की चहक और रंगों की महक से जीवंत हो उठा। कहीं श्वेत कागज पर जलरंगों के माध्यम से प्रकृति की छटा बिखेरी जा रही थी, तो कहीं रेखाओं के माध्यम से भविष्य के सपनों को आकार दिया जा रहा था। इसी के समांतर, मेहंदी प्रतियोगिता में नन्ही बालिकाओं और किशोरियों ने अपनी कोमल हथेलियों पर पारम्परिक एवं आधुनिक डिजाइनों का ऐसा जाल बुना कि देखने वाले दंग रह गए। बारीक नक्काशी और गाढ़े रंगों की मेहंदी ने भारतीय संस्कृति के सौंदर्य को बखूबी प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में प्रेसिडेंसी स्कूल की डायरेक्टर गरिमा सिंघवी, विशिष्ट अतिथि संविति जैन उपस्थित रहीं। जिन्होंने दीप प्रज्वलन कर आयोजन का विधिवत शुभारंभ किया। संस्था अध्यक्ष जयश्री अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्था के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कई बार होता है कि बच्चों को वो मंच नही मिलता जहां वो अपनी कला का प्रदर्शन कर लोगों को अपने में छिपी प्रतिभा से अवगत करा सके। इसी सोच को साथ रखकर आनंदी श्री संस्था ने इस प्रतियोगिता का आयोजन किया है।

अतिथियों का उद्बोधन

मुख्य अतिथि गरिमा सिंघवी बच्चों के भीतर छिपे इस असीमित जोश और कलात्मक रुझान को देखकर भाव–विभोर हो उठीं। उन्होंने बच्चों की एकाग्रता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे मंच ही भविष्य के महान कलाकारों की नींव रखते हैं। आज के इस डिजिटल युग

में जब बच्चे स्क्रीन से बंधे हुए हैं, ऐसे समय में रंगों और मेहंदी के माध्यम से अपनी संस्कृति और रचनात्मकता से जुड़ना सराहनीय है। विशिष्ट अतिथि संविति जैन ने कहा कि इन नन्हे हाथों में जो जादू है, वह समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की शक्ति रखता है। आनंदी श्री संस्था का यह प्रयास किशनगढ़ की प्रतिभाओं को तराशने के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। इस दौरान आरके पाटनी गर्ल्स कॉलेज के निदेशक सुभाष अग्रवाल, सीए सुशील बंसल ने भी बच्चों का उत्साह बढ़ाने के लिए अपने विचार रखें। समारोह में पूनम पारीक, निम्मी मित्तल, रक्षिता कंवर, प्रेरणा पाटनी, चिराग भट्ट एवं आरके गर्ल्स कॉलेज के एनसीसी कैडेटस व सुधीर सोनी ने भरपूर सहयोग किया।

जादूगर ने हंसाया तो निर्णायकों को छूटा पसीना

प्रतियोगिता का परिणाम घोषित होने से पूर्व बच्चों के मनोरंजन के लिए विशेष प्रबंध किए गए थे। जादूगर प्रिंस ने अपने हैरतअंगेज कारनामों से बच्चों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। पूरा हॉल उल्लास और खिलखिलाहट से गूंज उठा। इस बीच निर्णायकों के लिए विजेता चुनना एक कठिन चुनौती थी। चित्रकला में वरिष्ठ चित्रकार बिरदीचंद मालाकार, मुकेश कुमावत, अर्चना दाधीच एवं मनीषा पुंडीर ने सूक्ष्मता से कलाकृतियों का अवलोकन किया, वहीं मेहंदी में ब्यावर से आई लता देवी एवं हिमांशी ने अपनी पारखी नजर से श्रेष्ठ डिजाइनों का चयन किया। इस आयोजन को सफल बनाने में आनंदी श्री संस्था की सूर्या बंसल, उषा वैष्णव, सुनीता जैन, अंजू अग्रवाल, मानसी गोयल एवं सुनीता मेहता की टीम ने प्रबंधन की अद्भुत मिसाल पेश की। कार्यक्रम का सुचारू संचालन शिल्पा बरडिया ने अपनी ओजस्वी वाणी से किया।

इन बच्चों ने मारी बाजी, जीत लिया जहान

विभिन्न सात श्रेणियों में प्रथम से लेकर पंचम स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को नकद पुरस्कारों से नवाजा गया। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक वर्ग में पांच–पांच सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए, जिससे कुल 70 प्रतिभागी पुरस्कृत हुए। ड्राइंग कंपटीशन में कक्षा तीन से पांच तक में प्रथम ईशानवी, द्वितीय आराध्य एवं तृतीय अरणी, चतुर्थ हेतल, पंचम दिशा रही। कक्षा 6 से 8 के वर्ग में प्रथम विवान व तनिष्का, द्वितीय कृतिका व वेदिका, तृतीय विवान व अध्या, चतुर्थ केशव व एशवी तथा पंचम स्थान पर तनिष्का व जीविका रहे। इसी तरह कक्षा 9 से 12 तक में ममता शर्मा प्रथम, चारु द्वितीय, समृद्धि तृतीय, मीनाक्षी चतुर्थ, रिद्धिमा पंचम स्थान पर विजेता रहे। महाविद्यालय स्तर पर प्रथम अवनी, द्वितीय तनिष्क, तृतीय जिया, चतुर्थ कोमल, पंचम स्थान पर पायल विजेता रहे। मेहंदी के कनिष्ठ वर्ग में प्रथम प्रतीक्षा, द्वितीय प्रतिमा, तृतीय सपना, चतुर्थ दीप्ति, पंचम स्थान पर अनुष्का विजयी रहे। अंत में रंगारंग उत्सव का हर्षोल्लास के साथ समापन हुआ। यह आयोजन न केवल एक प्रतियोगिता थी, बल्कि किशनगढ़ की बाल प्रतिभाओं के लिए एक ऐसा पर्व था, जिसे वे लंबे समय तक अपनी स्मृतियों में संजोकर रखेंगे।

गोल्ड लोन' के खेल में बैंक में वैल्यूअर्स ने ही लगा दी सेंध

किशनगढ़। मकराना रोड स्थित केनरा बैंक की शाखा में सुनियोजित धोखाधड़ी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। बैंक की सुरक्षा और शुद्धता की जांच करने वाले वैल्यूअर्स ने ही बैंक के साथ गद्दारी करते हुए लाखों रुपये का चूना लगा दिया। चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपियों ने न केवल फर्जी वजन दिखाकर बैंक से ऋण लिया, बल्कि पकड़े जाने पर बैंक अधिकारियों को धमकी तक दे डाली। ?मामला 26 सितंबर 2023 का है। बैंक के आधिकारिक वेल्युअर राकेश ने अपने एक परिचित बाबूलाल को बैंक में 'गोल्ड लोन' दिलाने के लिए पेश किया। राकेश, जिस पर बैंक सोने की शुद्धता जांचने के लिए भरोसा करता था, उसने पद का दुरुपयोग करते हुए बाबूलाल द्वारा लाए गए सोने को 22 कैरेट का शुद्ध सोना बताया। रिपोर्ट में सोने का कुल वजन 205 ग्राम और शुद्ध वजन 48 ग्राम दर्शाया गया। राकेश द्वारा दी गई गारंटी और हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र पर भरोसा करते हुए बैंक प्रबंधक ने बाबूलाल के खाते में 2 लाख 4 हजार रुपए की ऋण राशि जारी कर दी। बैंक की प्रक्रिया के अनुसार, हर तीन महीने में सोने का पुनर्मूल्यांकन किया जाता है। साजिश इतनी गहरी थी कि दिसंबर 2023 और फरवरी 2024 में जब दूसरे वैल्यूअर कैलाश से जांच कराई गई, तो उसने भी राकेश की रिपोर्ट को सही बताते हुए कोई अंतर नहीं पाया। लेकिन अक्टूबर 2025 में जब बैंक ने घनश्याम नाम के नए मूल्यांकनकर्ता से जांच करवाई, तो पूरी हकीकत सामने आ गई। सोने के वजन में 47 ग्राम की भारी कमी पाई गई। इसके बाद जनवरी 2026 में वेल्युअर दीपक द्वारा की गई स्वतंत्र जांच ने भी इस धोखाधड़ी की पुष्टि कर दी। ?जब बैंक ने मुख्य आरोपी बाबूलाल से संपर्क किया, तो उसने कुछ दिन का समय मांगकर मोबाइल बंद कर लिया। इसके बाद जब शाखा प्रबंधक ने दोनों वैल्यूअर्स, राकेश और कैलाश से बात की तो उन्होंने बताया कि पैसे आपस में बांट लिए थे। आरोपियों ने बैंक अधिकारियों को धमकी भी दे डाली। बैंक प्रबंधक विशाल गोहन ने पहले गांधीनगर पुलिस थाना और फिर पुलिस अधीक्षक अजमेर को लिखित शिकायत दी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई न होने पर उन्हें न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या–2, किशनगढ़ के आदेश के बाद अब गांधीनगर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बैंक के इस खुलासे के बाद अब शहर के अन्य वित्तीय संस्थानों में भी खलबली मच गई है और सुरक्षा ऑडिट की मांग उठने लगी है।

स्वामी व प्रकाशक शिवकुमार शर्मा के लिए मुद्रक गजेन्द्र के. बोहरा द्वारा नितिन प्रिन्टर्स, बंगाली गली, कचहरी रोड, अजमेर (राज.) से मुद्रित एवं कार्यालय नन्द निकुंज, जैन स्थानक गली, शिवाजी नगर, मदनगंज-किशनगढ़ (अजमेर) से प्रकाशित। सम्पादक : शिवकुमार शर्मा मो. 9829250181, ई-मेल : shiv.ksg@gmail.com